सत्र: 2026-2027
वार्षिक पाठ्यक्रम संरचना
कक्षा-X
विषय: सामाजिक विज्ञान (विषय कोड-087)

क्रम संख्या	विषय	अंक
I	इतिहासः भारत व समकालीन विश्व–2	18+2 (मानचित्र अंकन)=20
II	भूगोलः समकालीन भारत–2	17+3 (मानचित्र अंकन)=20
III	लोकतान्त्रिक राजनीति–2	20
IV	आर्थिक विकास की समझ	20
	कुल	80
	आंतरिक मूल्यांकन	20
पूर्णांक		100

पुस्तक का नाम	अध्याय सं. एवं नाम	अधिगम संप्राप्ति
भारत एवं समकालीन विश्व – 2	अध्याय–1 यूरोप में राष्ट्रवाद का उदय	विद्यार्थी– ➢ राष्ट्र राज्य के निर्माण की प्रक्रिया में फ्रांसीसी क्रांति के यूरोपीय देशों पर पड़ने वाले प्रभावों पर तर्क सहित विचार रखेंगे। ➢ उस समय के विविध सामाजिक आंदोलनों की प्रकृति को समझ सकेंगे। ➢ यूरोप और अन्य जगहों पर राष्ट्र राज्यों के गठन में राष्ट्रवाद के विचार के विकास और कारणों का विश्लेषण और अनुमान लगा सकेंगे। ➢ प्रथम विश्व युद्ध के कारणों का मूल्यांकन कर पाएंगे।
भारत एवं समकालीन विश्व – 2	अध्याय–2 भारत में राष्ट्रवाद	विद्यार्थी– ➢ सामूहिक अपनेपन की भावना को जन्म देने वाले राष्ट्रवादी आंदोलनों के विभिन्न पहलुओं का उदाहरण सहित वर्णन कर पाएंगे। ➢ गांधीजी और अन्य नेताओं द्वारा चलाए गए आंदोलनों में अपनाई गई रणनीतियों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन कर पाएंगे। ➢ भारत में दो आंदोलनों (खिलाफत और असहयोग आंदोलन) के उद्भव के परिप्रेक्ष्य में प्रथम विश्व युद्ध के प्रभावों को सारांशित कर पाएंगे।

भारत एवं समकालीन विश्व – 2	अध्याय–4 औद्योगीकरण का युग नोट– इस अध्याय का मूल्यांकन केवल आवधिक / मध्यावधि परीक्षा में किया जाएगा।	विद्यार्थी– ➢ औद्योगीकरण के पूर्व एवं पश्चात् की आर्थिक, राजनीतिक सामाजिक विशेषताओं को सूचीबद्ध कर पाएंगे। ➢ औद्योगीकीरण ने किस प्रकार उपनिवेशों को प्रभावित किया भारत के विशेष संबंद्ध में इसका विश्लेषण कर पाएंगे।
लोकतांत्रिक राजनीति–2	अध्याय–1 सत्ता की साझेदारी	विद्यार्थी– ➢ लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी की आवश्यकताओं को सूचीबद्ध कर पाएंगे। ➢ सत्ता में प्रभावी साझेदारी सुनिश्चित करने के लिए बेल्जियम और श्रीलंका जैसे देशों के सामने आने वाली चुनौतियों का विश्लेषण कर पाएंगे। ➢ भारत के साथ श्रीलंका और बेल्जियम में सत्ता की साझेदारी की समानताओं और विषमताओं का तुलनात्मक अध्ययन कर पाएंगें। ➢ किसी देश की एकता और स्थिरता को बनाए रखने में सत्ता की साझेदारी के उद्देश्यों को सारांशित कर पाएंगे।
लोकतांत्रिक राजनीति–2	अध्याय–2 संघवाद	विद्यार्थी– ➢ भारत में संघवाद का किस प्रकार अपनाया है इसकी सराहना कर पाएंगें। ➢ उन राजनीतिक नीतियों का विश्लेषण कर पाएंगें जिन्होंनें व्यवहार में संघवाद को मजबूत किया है।
लोकतांत्रिक राजनीति–2	अध्याय – 3 जाति, धर्म और लैंगिक मसले	विद्यार्थी– ➢ भारत में लोकतंत्र के व्यवहारिक प्रयोग में लिंग, धर्म और जाति की भूमिका और उसके अंतर की जांच कर पाएंगें। ➢ उपरोक्त वर्णित अंतर लोकतंत्र के लिए स्वस्थ है अथवा नहीं का विश्लेषण कर सकेंगे।
समकालीन भारत 2	अध्याय–1 संसाधन एवं विकास	विद्यार्थी– ➢ संसाधनों की अन्योन्याश्रिता को सूचीबद्ध कर पाएंगें। संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और भारत में उन्हें विकसित करने की आवश्यकता को उचित ठहराते हुए नियोजन की आवश्यकता को न्यायोचित ठहरा पाएंगें। ➢ संसाधनों के विकास के औचित्य का मूल्यांकन कर पाएंगें। ➢ भारत में अनुपयुक्त भूमि के उपयोग से संबंधित आँकडों और जानकारी का विश्लेषण और मूल्यांकन कर पाएंगें। ➢ भारत में उपलब्ध सभी संसाधनों के संरक्षण की आवश्यकता और अप्रयुक्त संसाधनों के इष्टतम उपयोग के लिए उपचारात्मक उपायों एवं सुझावों का वर्णन कर पाएंगें।

समकालीन भारत 2	अध्याय – 2 वन एवं वन्य जीव संसाधन	विद्यार्थी– ➢ भारत के सतत पोषणीय विकास के लिए वनों और वन्य जीवों के संरक्षण के महत्व और पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने में उनकी अन्योन्याश्रितता का परीक्षण कर पाएंगें। ➢ विकास और क्षरण में चराई और लकड़ी काटने की भूमिका का विश्लेषण करेंगे। ➢ सतत विकास के तहत भारत में जैव विविधता के संरक्षण के कारणों को सारांशित कर पाएंगें। ➢ चराई, लकड़ी कटाई जैसे विकासात्मक कार्यों ने किस प्रकार जंगलों को प्रभावित किया है? पर चर्चा कर सकेंगे। ➢ सतत् पोषणीय विकास के तहत भारत में जैव– विविधता के संरक्षण के कारणों को संक्षेप में प्रस्तुत करने के लिए कला एकीकरण का उपयोग कर सकेंगे।
समकालीन भारत 2	अध्याय–3 जल संसाधन	विद्यार्थी– ➢ भारत में जल संसाधनों के संरक्षण के कारणों का परीक्षण कर पाएंगें। ➢ बहुउद्देशीय परियोजनाएं भारत में जल की आवश्यकताओं को पूरा कर पा रही है इस विषय का विश्लेषण करते हुए निष्कर्ष निकाल सकेंगे।
आर्थिक विकास की समझ	अध्याय–1 विकास	विद्यार्थी– ➢ विकासात्मक लक्ष्यों को निर्धारित करने में शामिल विभिन्न प्रक्रियाओं का विश्लेषण कर उसे सूचीबद्ध सकेंगे। ➢ प्रति व्यक्ति आय देश की आर्थिक स्थिति को कैसे दर्शाती है का विश्लेषण करते हुए निष्कर्ष निकाल सकेंगे। ➢ राष्ट्र के लिए निर्धारित विकास लक्ष्यों का मूल्यांकन (उनकी प्रभावकारिता, कार्यान्वयन रणनीतियों, राष्ट्र की वर्तमान आवश्यकताओं की प्रासंगिकता के विशिष्ट संदर्भ में) कर पाएंगें। ➢ कुछ देशों की प्रति व्यक्ति आय की तुलना करेंगे और भिन्नता के कारणों का अनुमान लगा पाऐंगे। ➢ विकास की आवश्यकता पर अनेक दृष्टिकोणों का विश्लेषण कर पाएंगें।
आर्थिक विकास की समझ	अध्याय–2 भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक	विद्यार्थी– ➢ विभिन्न क्षेत्रकों में आर्थिक गतिविधियों का, भारतीय अर्थव्यवस्था की समग्र वृद्धि और विकास में योगदान का विश्लेषण कर पाएंगें। ➢ विभिन्न क्षेत्रों में पहचानी गई समस्याओं का अपनी समझ के आधार पर समाधान प्रस्तावित कर सकेंगे। ➢ संगठित और असंगठित क्षेत्र किस प्रकार रोजगार प्रदान कर रहें हैं का संक्षेप में वर्णन कर पाएंगें। ➢ वर्तमान में पीसीआई (प्रति व्यक्ति आय) को प्रभावित करने में असंगठित क्षेत्र की भूमिका का वर्णन करता है और सकल घरेलू उत्पाद में अधिक उत्पादक योगदान के लिए असंगठित क्षेत्रक को कम करने के लिए विचारोत्तेजक कदमों का प्रस्ताव कर पाएंगें। ➢ सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों की आवश्यक भूमिका की गणना कर पाएंगें।

नोट:

- ❖ **उपरोक्त वर्णित पाठ्यक्रम 5 सितंबर 2026 तक पूरा कर लिया जाना चाहिए, ताकि पुनरावृत्ति के लिए पर्याप्त समय मिल सके।**
- ❖ **शिक्षकों को प्रोत्साहित किया जाता है कि जहाँ भी संभव हो, वे उभरे हुए ग्लोब और मानचित्रों का उपयोग करें, ताकि अनुभवात्मक और समावेशी शिक्षण को बढ़ावा मिल सके।**
- ❖ **सभी शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाएँ, मूल्यांकन पद्धतियाँ और कक्षा की गतिविधियाँ NCF-SE 2023 में बताए गए पाठ्यक्रम लक्ष्यों (CGs) और दक्षताओं (Cs) के अनुरूप होनी चाहिए।**

मध्यावधि परीक्षा 2026

पुस्तक का नाम	अध्याय सं. एवं नाम	अधिगम संप्राप्ति
भारत एवं समकालीन विश्व – 2	अध्याय–3 भूमंडलीकृत विश्व का बनना उपविषय 1 आधुनिक विश्व से पहले (उपविषय 1 से 1.3 तक का मूल्यांकन वार्षिक परीक्षा में किया जाएगा। आधुनिक युग के पहले से विजय, बीमारी और व्यापार तक)	विद्यार्थी– ➢ वह परिवर्तन जिन्होंने अर्थव्यवस्था, राजनीतिक, सांस्कृतिक और तकनीकी क्षेत्रों के संदर्भ में दुनिया को बदल दिया को सारांशित कर पाएंगें। ➢ पूर्व आधुनिक से लेकर आज तक वैश्विक अंतर्संबंध को चित्रित कर पाएंगें। ➢ उपनिवेशित लोगों की आजीविका पर उपनिवेशवाद के विनाशकारी प्रभाव की गणना कर पाएंगें। अंतःविषयी परियोजना हेतु उपविषय 2 उन्नीसवीं शताब्दी 1815–1914 उपविषय 3 महायुद्धों के बीच अर्थव्यवस्था उपविषय 4 विश्व अर्थव्यवस्था का पुनर्निर्माणः युद्धोत्तर काल उपविषय 2 से 4.4 – उन्नीसवीं शताब्दी (1815–1914) से ब्रेटन वुड्स का समापन और ''वैश्वीकरण की शुरूआत'' तक भूगोल के अध्याय 7 के साथ राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएं, और अर्थशास्त्र का अध्याय 4 वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था
भारत एवं समकालीन विश्व – 2	अध्याय–5 : मुद्रण संस्कृति और आधुनिक दुनिया	विद्यार्थी– ➢ पूर्वी एशिया में इसकी शुरुआत से लेकर यूरोप और भारत में इसके विस्तार तक मुद्रण के विकास यात्रा को सूचीबद्ध कर पाएंगें। ➢ हस्तलिखित पांडुलिपियों की पुरानी परंपरा तथा मुद्रण प्रौद्योगिकी का तुलनात्मक अध्ययन कर पाएंगें। ➢ मुद्रण क्रांति की भूमिका और उसके प्रभावों को सारांशित कर पाएंगें।
लोकतांत्रिक राजनीति–2	अध्याय – 4 राजनीतिक दल	विद्यार्थी– ➢ राजनीतिक दलों के निर्वाचित होने की प्रक्रिया को समझेंगे। ➢ मतदान के अधिकार के महत्व को जानते हैं और राष्ट्र के नागरिक के रूप में कर्तव्यों का पालन करेंगे।

		➢ लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की भूमिका, उद्देश्य और संख्या की परख करेंगे।
लोकतांत्रिक राजनीति–2	अध्याय–5 लोकतंत्र के परिणाम	विद्यार्थी– ➢ लोकतंत्र की सफलता किस प्रकार सरकार की गुणवत्ता, आर्थिक भलाई, समानता, सामाजिक अंतर, संघर्ष, स्वतंत्रता और गरिमा आदि पर निर्भर करती हैं को सूचीबद्ध कर पाएंगें।
समकालीन भारत 2	अध्याय–4 कृषि	विद्यार्थी– ➢ हमारे समाज एवं अर्थव्यवस्था में कृषि की महत्वपूर्ण भूमिका की परख कर पाएंगें। ➢ भारतीय कृषक समुदाय के समाने आने वाली चुनौतियों का विश्लेषण कर पाएंगें। ➢ कृषि के विभिन्न आयामों जैसेः कृषि उत्पादन, कृषि के प्रकार, आधुनिक कृषि की प्रक्रिया आदि की पहचान कर पाएंगें।
समकालीन भारत 2	अध्याय–5 खनिज तथा उर्जा संसाधन	विद्यार्थी– ➢ ऊर्जा के पारंपरिक और गैर पारंपरिक स्रोतों के बीच अंतर कर पाएंगें। ➢ देश के आर्थिक विकास के लिए खनिजों और प्राकृतिक संसाधनों के महत्व का विश्लेषण कर पाएंगें। ➢ प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग के लिए रणनीतियों का सुझाव दे पाएंगें।
समकालीन भारत 2	अध्याय–6 विनिर्माण उद्योग	विद्यार्थी– ➢ पर्यावरण पर विनिर्माण उद्योगों के प्रभाव का परीक्षण एंव विनिर्माण क्षेत्र के सतत विकास की रणनीति का बना पाएंगें। ➢ विभिन्न प्रकार के विनिर्माण उद्योगों के बीच उनके कच्चे माल, प्रक्रियाओं और अंतिम उत्पादों के आधार पर अंतर करना और भारतीय अर्थव्यवस्था में उनके महत्व का विश्लेषण कर पाएंगें। ➢ कच्चे माल की उपलब्धता और उद्योगों के स्थान के बीच संबंधों का विश्लेषण कर पाएंगें।
समकालीन भारत 2	अध्याय–7 राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ	केवल मानचित्र कार्य का मूल्यांकन वार्षिक परीक्षा में किया जाएगा। **अनुलग्नक III-B देखें: इतिहास, अध्याय 3 भूमंडलीकृत विश्व का बनना तथा अर्थशास्त्र अध्याय –4 वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था के साथ अंतर्विषयक विषय परियोजना**
आर्थिक विकास की समझ	अध्याय–3 मुद्रा और साख	विद्यार्थी– ➢ प्राचीन काल से लेकर वर्तमान समय तक वस्तुओं और सेवाओं के सभी लेन–देन में मुद्रा किस प्रकार माध्यम विनिमय के रूप में कार्य करती हैं को सूचीबद्ध कर पाएंगें। ➢ ऋण के विभिन्न स्रोतों का विश्लेषण कर पाएंगें। ➢ ग्रामीण लोगों/महिलाओं की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने में स्वयं सहायता समूहों के महत्व और भूमिका का सारांश प्रस्तुत कर पाएंगें।

आर्थिक विकास की समझ	अध्याय–4 वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था नोटः निम्नलिखित उपविषयों का ही मूल्यांकन बोर्ड परीक्षा में किया जाएगा। उपविषय 1. वैश्वीकरण क्या है? 2. वैश्वीकरण को संभव बनाने वाले कारक	विद्यार्थी– ➢ वैश्वीकरण की अवधारणा और इसकी परिभाषा, उद्भव, और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभावों को सूचीबद्ध कर पाएंगें। ➢ वैश्वीकरण के प्रमुख घटकों जैसे संचार और परिवहन प्रौद्योगिकी में प्रगति, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का विकास, और विश्व व्यापार संगठन जैसे संस्थानों की भूमिका का विश्व के अन्य देशों के आर्थिक परिदृश्य पर पड़े प्रभावों को अन्वेषण कर सकेंगे। ➢ G 20 में भारत की वर्तमान भूमिका एवं इसके महत्व का परीक्षण कर सकेंगे। इतिहास अध्याय 3 भूमंडलीकृत विश्व का बनना, भूगोल अध्याय – 7 अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ के साथ अंतर्विषयक विषय परियोजना उपविषय 1.अंतरदेशीय उत्पादन 2.विश्व व्यापार संगठन 3.न्यासंगत वैश्वीकरण के लिए संघर्ष अनुलग्नक III-B देखें

नोट:

- **उपरोक्त वर्णित पाठ्यक्रम 5 दिसंबर 2026 तक पूरा कर लिया जाना चाहिए, ताकि पुनरावृत्ति के लिए पर्याप्त समय मिल सके।**
- **वार्षिक परीक्षा में पूरे पाठ्यक्रम का मूल्यांकन किया जाएगा।**
- **शिक्षकों को प्रोत्साहित किया जाता है कि जहाँ भी संभव हो, वे उभरे हुए ग्लोब और मानचित्रों का उपयोग करें, ताकि अनुभवात्मक और समावेशी शिक्षण को बढ़ावा मिल सके।**
- **सभी शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाएँ, मूल्यांकन पद्धतियाँ और कक्षा की गतिविधियाँ NCF-SE 2023 में बताए गए पाठ्यक्रम लक्ष्यों (CGs) और दक्षताओं (Cs) के अनुरूप होनी चाहिए।**

वार्षिक परीक्षा 2027

कक्षा X

मानचित्र प्रश्न से संबंधित विषय–वस्तु

विषय	अध्याय का नाम	मानचित्र कार्य
इतिहास	भारत में राष्ट्रवाद	1. भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस का अधिवेशन • कलकत्ता (सितम्बर 1920) • नागपुर (दिसम्बर 1920) • मद्रास (1927) 2. सत्याग्रह आंदोलन • खेड़ा • चम्पारण • अहमदाबाद मिल आंदोलन 3. जलियाँवाला बाग 4. डांडी यात्रा
भूगोल	संसाधन और विकास	केवल पहचानना मृदा के मुख्य प्रकार
भूगोल	जल संसाधन	(केवल ढूंढना और चिन्हित करना) • सलाल • भाखड़ा नांगल • टिहरी • राणा प्रताप सागर • सरदार सरोवर • हीराकुंड • नागार्जुन सागर • तुंगभद्रा
भूगोल	कृषि	(केवल पहचानना) • चावल और गेहूँ के मुख्य उत्पादक क्षेत्र। • गन्ना, चाय, कॉफी, रबड़, कपास और पटसन के मुख्य उत्पादक राज्य।
भूगोल	खनिज और ऊर्जा संसाधन	खनिज (केवल पहचानना) लौह अयस्क खाने • मयूरभंज • दुर्ग • बेलाडिला • बेल्लारी • कुद्रेमुख

		कोयले की खानें • रानीगंज • बोकारो • तलचर • नेवेली तेल क्षेत्र • डिगबोई • नहरकटिया • मुंबई हाई • बेसीन • कलोल • अंकलेश्वर ऊर्जा केन्द्र (ढूँढना और चिन्हित करना) तापीय केन्द्र • नामरूप • सिंगरौली • रामागुडम आणविक केन्द्र • नरोरा • काकरापारा • तारापुर • कलपक्कम
भूगोल	विनिर्माण उद्योग	(ढूँढना और चिन्हित करना) सूती कपड़ा वस्त्र उद्योग मुंबई, इंदौर, सूरत, कोयम्बटूर, कानपुर लौह एवं स्टील प्लांट दुर्गापुर, बोकारों, जमशेदपुर, भिलाई, विजयनगर, सलेम सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क : नोएडा, गाँधीनगर, मुंबई, पुणे, हैदराबाद, बंगलौर, चेन्नई, तिरूवनंतपुरम।
भूगोल	राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ	मुख्य पतन • कांडला • मुंबई • मार्मागाओं • न्यू मंगलौर • कोच्चि • तूतीकोरिन

		• चेन्नई • विशाखापट्नम् • पाराद्वीप • हल्दिया अंतर्राष्ट्रीय हवाई पत्तन • अमृतसर (राजा सांसी – श्री गुरू रामदास जी) • दिल्ली (इंदिरा गाँधी) • मुंबई (छत्रपति शिवाजी) • चेन्नई (मीनाम्बकम) • कोलकाता (नेताजी सुभाषचंद्र बोस) • हैदराबाद (राजीव गाँधी)
(नोटः ढूँढने और चिन्हित करने वाले स्थान, पहचान करने के लिए भी पूछा जा सकता है।)		

Weightage to Type of Questions

Type of Questions	Marks (80)	Percentage
1 Mark MCQs (20x1) (Inclusive Of Assertion, Reason, Differentiation &Stem)	**20**	**25%**
2 Marks Narrative Questions (4x2) (Knowledge, Understanding, Application, Analysis, Evaluation,Synthesis & Create)	**8**	**10%**
3 Marks Narrative Questions (5x3) (Knowledge, Understanding, Application, Analysis, Evaluation, Synthesis & Create)	**15**	**18.75%**
4 MARKS Case Study Questions (3x4) (Knowledge, Understanding, Application, Analysis, Evaluation, Synthesis & Create)	**12**	**15%**
5 Mark Narrative Questions (4x5) (Knowledge, Understanding, Application, Analysis, Evaluation, Synthesis & Create)	**20**	**25%**
Map Pointing	**5**	**6.25%**

Weightage to Competency Levels

Sr. No.	Competencies	Marks (80)	Percentage
1	Remembering and Understanding: Exhibiting memory of previously learned material by recalling facts, terms, basic concepts, and answers; Demonstrating understanding of facts and ideas by organizing, translating, interpreting, giving descriptions and stating main ideas.	**24**	**30%**
2	Applying: Solving problems to new situations by applying acquiredknowledge, facts, techniques and rules in a different way.	**11**	**13.25%**
3	Formulating, Analysing, Evaluating and Creating: Examining and breaking information into parts by identifying motives or causes; Making inferences and finding evidence to support generalizations; Presenting and defending opinions by making judgments about information, validity of ideas, or quality of work basedon a set of criteria; Compiling information together in a different way by combining elements in a new pattern or proposing alternative solutions.	**40**	**50%**
4	Map Skill	**5**	**6.25%**
	Total	**80**	**100**

अनुलग्नक **IIIA**

परियोजना कार्य

कक्षा X

<table>
<tr>
<td>
प्रत्येक विद्यार्थी को निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर परियोजना कार्य करना होगा।

उपभोक्ता आंदोलन
अथवा
सामाजिक मुद्दे
अथवा
सतत् पोषणीय विकास

उद्देश्यः उपभोक्ता जागरूकता पर परियोजना कार्य देने का मुख्य उद्देश्य है–

परियोजना कार्य का समग्र उद्देश्य विद्यार्थियों को विषय की गहन एवं व्यावहारिक समझ प्राप्त करने में सहायता करना तथा सभी सामाजिक विज्ञान विषयों को अंतः विषयक परिप्रेक्ष्य से देखने में सहायता करना है।
परियोजना कार्य को छात्रों के जीवन कौशल को बढ़ाने में भी मदद करनी चाहिए।
विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे परियोजना रिपोर्ट तैयार करते समय वर्षों से सीखी गई सामाजिक विज्ञान की अवधारणाओं का उपयोग करें।
परियोजना कार्य को तैयार करते समय यदि आवश्यक हो तो विद्यार्थी आंकड़े एकत्र करने प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोतों का उपयोग करें।
जहाँ भी संभव हो परियोजना कार्य को विभिन्न कलाओं के साथ एकीकृत करें।

</td>
<td>
विद्यार्थी निम्नलिखित दक्षताओं का विकास करेंगेः

आपसी सहयोग
विश्लेषणात्मक दक्षताएँ
आपदाओं के दौरान स्थितियों का मूल्यांकन
सूचना का संश्लेषण
रचनात्मक समाधान
समाधान के क्रम में रणनीतियाँ
सही संचार कौशल का प्रयोग

</td>
</tr>
</table>

दिशानिर्देशः

अपेक्षित उद्देश्यों को पूरी तरह से प्राप्त करने के लिए, प्राचार्यों/शिक्षकों को विभिन्न स्थानीय प्राधिकरणों और संगठनों जैसे आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों, राहत, पुनर्वास और राज्यों के आपदा प्रबंधन विभागों, जिला मजिस्ट्रेट के कार्यालय / उपायुक्त, अग्निशमन सेवा, पुलिस, नागरिक सुरक्षा आदि से समर्थन जुटाना आवश्यक होगा। उस क्षेत्र में जहां स्कूल स्थित हैं।

1. **परियोजना कार्य से संबंधित विभिन्न आयामों में अंक विभाजन निम्नलिखित प्रकार से हैंः–**

क्र. संख्या	आयाम	अंक
1.	विषय की सटीकता, मौलिकता तथा विश्लेषण	2
2.	प्रस्तुतीकरण एवं रचनात्मकता	2
3.	मौखिक परीक्षा	1

विद्यार्थी विभिन्न विषयों पर परियोजना कार्य करें तथा उसके उपरांत् विभिन्न अंतः क्रियात्मक सत्रों (जैसे प्रदर्शनी, पैनल चर्चा आदि) के माध्यम से कक्षा के साथ साझा करें।

1. इस गतिविधि के अंतर्गत मूल्यांकन से संबंधित सभी कागजात संबंधित विद्यालय के द्वारा सूक्ष्मतापूर्वक संभाल कर रखा जाना चाहिए।

2. निम्नलिखित को प्रदर्शित करते हुए परियोजना कार्य की संक्षिप्त रिपोर्ट तैयार की जानी चाहिए:
   - व्यक्तिगत अथवा सामूहिक अन्तर्क्रिया का उद्देश्य
   - क्रियाकलाप की तारीख
   - इस प्रक्रिया में उत्पन्न नये विचार
   - मौखिक अभिव्यक्ति में पूछे गए प्रश्न
3. सभी शिक्षक और विद्यार्थी इस बात का ध्यान रखें कि परियोजना कार्य अथवा मॉडल बनाने में पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों का इस्तेमाल हो तथा उसका लागत मूल्य कम से कम हो।
4. परियोजना रिपोर्ट विद्यार्थियों द्वारा हस्त लिखित अथवा डिजिटल हो सकती है।
5. परियोजना कार्य के द्वारा शिक्षार्थियों के संज्ञानात्मक, भावनात्मक और मनोगत्यात्मक कौशल को बढ़ाने की आवश्यकता है। इसमें शिक्षक मूल्यांकन के साथ – साथ स्व – मूल्यांकन एवं सहपाठी मूल्यांकन तथा परियोजना – आधारित और पूछताछ – आधारित शिक्षा, कला एकीकृत गतिविधियाँ, प्रयोग, मॉडल, क्विज, रोल–प्ले, समूह कार्य, पोर्टफोलियो आदि में विद्यार्थियों की प्रगति शामिल होगी। (एनइपी 2020)
6. यह केवल विद्यालय में ही किया जाना चाहिए क्योंकि परियोजना के लिए विशिष्ट अवधि निर्धारित की गई है।
7. परियोजना कार्य में पावर पाइंट प्रजेंटेशन, प्रदर्शनी, प्रहसन, एल्बम,फाइल / गीत एवं नृत्य अथवा सांस्कृतिक कार्यक्रम / कहानी कहना / वाद–विवाद / पैनल संवाद, पेपर प्रस्तुतीकरण आदि जो भी दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए सहज हो उसे शामिल करें।
8. परियोजना से संबंधित रिकॉर्ड परीक्षा परिणाम की तिथि से कम से कम तीन महीने तक रखा जाएगा ताकि बोर्ड इसकी जाँच कर सके। हालांकि न्यायिक विचाराधीन अथवा सूचना के अधिकार अधिनियम से जुड़े हुए मामलों में यह रिकॉर्ड तीन महीनों से भी अधिक समय तक संभाल कर रखा जा सकता है।

अंतर्विषयी परियोजना कार्य कक्षा 10

अनुलग्नक III-B

विषय एवं अध्याय सं.	**अध्याय का नाम**	**सुझावात्मक शिक्षण अधिगम प्रक्रिया**	**विशिष्ट दक्षताओं के साथ अधिगम परिणाम**	**पूरा करने के लिए समय अनुसूची**
भारत एवं समकालीन विश्व –I: अध्याय 3	भूमंडलीकृत विश्व का बनना	अंतर्विषयी परियोजना को पूरा करने में विद्यार्थियों की सुविधा के लिए शिक्षक निम्नलिखित शिक्षाशास्त्र का उपयोग कर सकते हैं: 1) रचनावाद 2) अन्वेषण आधारित शिक्षा 3) सहकारी अधिगम 4) लर्निंग स्टेशन 5) सहयोगी शिक्षा अधिगम 6) वीडियो/ दृश्य/ वृत्तचित्र/ फिल्म क्लिपिंग्स 7) कैरोसेल तकनीक 8) कला समेकित अधिगम 9) समूह चर्चाएँ	• स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं के लिए वैश्वीकरण के निहितार्थ का विश्लेषण करते हैं। • विभिन्न सामाजिक समूहों द्वारा वैश्वीकरण को अलग-अलग तरीके से अनुभव पर चर्चा करते हैं। • अर्थव्यवस्था की जीवन रेखा के रूप में परिवहन के कार्यों को सूचीबद्ध करते हैं। • सांस्कृतिक/ राजनीतिक/ सामाजिक/ आर्थिक पहलुओं के संदर्भ में वैश्वीकरण के विभिन्न आयामों का तर्कसहित विश्लेषण करते हैं।	• अध्यापक/ अध्यापिका के मार्गदर्शन में विद्यालय में अप्रैल और सितंबर के महीने के बीच अंतःविषयी परियोजना पूर्ण करना है। (परियोजना कार्य को गृह कार्य के रूप में देने से पूरी तरह से बचना है।)

समकालीन भारत-I: अध्याय 7	राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ	**बहुआयामी आकलन** सर्वेक्षण/ साक्षात्कार/ शोध कार्य/ अवलोकन/ कहानी आधारित प्रस्तुति/ कला समेकित/ प्रश्नोत्तरी/ वाद-विवाद/ रोल प्ले/ मौखिक परीक्षा/ समूह चर्चा/ दृश्य अभिव्यक्ति/ इंटरैक्टिव बुलेटिन बोर्ड/ गैलरी वॉक/ एग्जिट कार्ड/ अवधारणा मानचित्र/ सहपाठी आकलन/ कला समेकन/ स्व- आकलन / प्रौद्योगिकी का समावेशन आदि।		
आर्थिक विकास की समझ: अध्याय 4	वैश्वीकरण एवं भारतीय अर्थव्यवस्था			

दिशानिर्देश:

● दो या अधिक विषयों को एक गतिविधि में अधिक सुसंगत और एकीकृतरूप से जोड़ना शामिल है। आम तौर पर मान्यता प्राप्त विषय- अर्थशास्त्र, इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान हैं, एक नमूना योजना संलग्न की गई है। कृपया नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करे।

● कार्यप्रणाली (आईडीपी के बारे में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए एक उदहारणार्थ अंतर्विषयी परियोजना लिंक प्रदान किया गया है।

● विषय: भूमंडलीकृत विश्व का बनना, वैश्वीकरण एवं भारतीय अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएं।

https://docs.google.com/document/d/1dIwwFeaSrExJHMtkzcEuoq3ehh-7FtHM/edit

निर्देश:

उद्देश्यों एवं परिणामों का चयन करते समय तार्किकता तथा विशिष्ट उद्देश्यों को स्थानीय संदर्भों में ध्यान में रखने की आवश्यकता है।

परियोजना की रुपरेखा: नीचे एक 10 दिनों की सुझावात्मक योजना दी गई है जिसका पालन किया जा सकता है या आप नीचे दिए गए प्रारूप के आधार पर स्वयं बना सकते हैं।

प्रक्रिया:

- विद्यार्थियों के बीच प्रारंभिक सहयोग द्वारा उनकी भूमिकाओं, एकीकरण के क्षेत्रों, जांच और विश्लेषण के क्षेत्र की व्यवस्था करना।

टीम लीडर: मुख्य सहयोगी
टीम के सदस्य:
नोट: शिक्षक विद्यार्थियों की क्षमताओं के अनुसार भूमिकाएँ आवंटित करें।

- दिए गए पाठ्यक्रम के आधार पर नीचे दिए गए प्रारूप के अनुसार 10-दिन की योजना जमा करना।
- मूल्यांकन योजना: आयामों का शिक्षक द्वारा स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाना है।
- नीचे दिए गए प्रारूप के अनुसार रिपोर्ट, पोस्टर और वीडियो पावती: स्वविचारों का प्रस्तुतीकरण और आभार की अभिव्यक्ति

कक्षा X: 10 दिवसीय अंतर्विषयी परियोजना का सुझावात्मक योजना

दिन 1: अंतर्विषयी परियोजना का परिचय और संदर्भ की स्थापना:

शिक्षकों द्वारा दी जाने वाली परियोजना और उसके उद्देश्यों का संक्षिप्त विवरण।

इतिहास विषय के अध्यापक/ अध्यापिकाओं द्वारा द्वितीय विश्व युद्ध के ऐतिहासिक संदर्भ और उसके परिणाम को पूछताछ विधि के माध्यम से प्रस्तुत करना।

विद्यार्थियों को वैश्विक अर्थव्यवस्था पर द्वितीय विश्व युद्ध के प्रभावों पर चर्चा करने के लिए समूह बनाएं। (मूल्यांकन के विभिन्न आयामों के लिए शिक्षक अनुलग्नक VIदेखें)

दिन 2: महामंदी

दिए गए लिंक के माध्यम से वीड़ियों देखें–

https://www.youtube.com/watch?v=gqx2E5qIV9s

महामंदी के कारणों एवं परिणामों और महामंदी के बड़े पैमाने पर उत्पादन और खपत की भूमिका पर चर्चा कीजिए। वैश्विक अर्थव्यवस्था पर महामंदी के परिणामों पर एक समूह पीपीटी/रिपोर्ट प्रस्तुत कीजिए।

तीसरा दिन: भारत और महामंदी

विद्यार्थी महामंदी के दौरान भारत की आर्थिक स्थिति से संबंधित सामग्री एकत्र करें और इसे भारत और अमेरिका की वर्तमान आर्थिक स्थिति से संबंधित करें। विद्यार्थी पुस्तकालय में जाकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

एक समूह गतिविधि के रूप में उन्हें अपने निष्कर्षों का एक कोलाज प्रस्तुत करने की आवश्यकता है। (मूल्यांकन के विभिन्न आयामों के लिए शिक्षक अनुलग्नक V देखें)

एक वित्तीय विशेषज्ञ/अर्थशास्त्री/व्याख्याता/प्रोफेसर के साथ साक्षात्कार आयोजित कीजिए। एकत्रित जानकारी के आधार पर विद्यार्थी निष्कर्षों पर एक प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगें। (रूब्रिक्स के लिए अनुलग्नक III देखें।)

चौथा दिन: विश्व अर्थव्यवस्था का पुनर्निर्माण और देशों के बीच उत्पादन को जोड़ना

- विद्यार्थियोंको समूहों में बैठाने के लिए शिक्षक जिग शॉ विधि का उपयोग करें तथा प्रत्येक समूह को अर्थव्यवस्था के पुनर्निर्माण के लिए की गई प्रक्रिया और कैसे विभिन्न देशों में उत्पादन के चरणों के अंर्तसंबंधों को आपस में जोड़ा जाए इसके बारे में जानकारी देते हुए हैंडआउट का एक हिस्सा दें। विभिन्न समूहों में जाकर जानकारी को संकलित करने के लिए समूह बनाएं।
- उन्हें युद्ध के बाद के पुनर्निर्माण के प्रयासों और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर उनके प्रभाव पर चर्चा करवाएँ।

विश्व अर्थव्यवस्था के पुनर्निर्माण में ब्रेटन वुड्स संस्थानों की भूमिका का अध्ययन करें और कला एकीकृत परियोजना के माध्यम से उनकी शिक्षाओं को प्रस्तुत करें। (मूल्यांकन के विभिन्न आयामों के लिए शिक्षक अनुलग्नक V देखें)

पाँचवा दिन : प्रारंभिक युद्ध के बाद के वर्ष: राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के निर्माण में सड़क मार्ग, रेलवे, जलमार्ग और वायुमार्ग की भूमिका

- अध्यापक/ अध्यापिका नीचे दिए गए हैंडआउट 1 को समूहों में वितरित करता है और उन्हें हैंड आउट के अंत में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर खोजने और कैफे वार्तालाप का उपयोग करके समूहों में प्रस्तुत करने के लिए कहता है। आयामों के लिए अनुबंध III देखें।
- युद्ध के बाद के शुरुआती वर्षों में विश्व के सामने आने वाली चुनौतियों का अध्ययन कीजिए।

छठा दिन: युद्ध के बाद का समझौता और ब्रेटन वुड्स संस्थान

- विद्यार्थियोंको https://en.wikipedia.org/wiki/Bretton_Woods_system

में दी गई सामग्री को पढ़ने को कहें और युद्ध के बाद की अर्थव्यवस्था में ब्रेटन वुड्स संस्थानों के प्रभाव पर बहस करें। (मूल्यांकन के विभिन्न आयामों के लिए शिक्षक अनुलग्नक VI देखें)

सातवा दिन: विऔपनिवेशीकरण और स्वतंत्रता - विश्व व्यापार संगठन की भूमिका:

विद्यार्थी नीचे दिए गए हैंडआउट 2 को पढ़ेंगे और नए राष्ट्रों के निर्माण में विश्व व्यापार संगठन द्वारा प्रदान किए गए समर्थन का रोल प्ले प्रस्तुत करेंगे। (मूल्यांकन के विभिन्न आयामों के लिए शिक्षक अनुलग्नक V देखें)

- विश्व व्यापार संगठन का परिचय
- निष्पक्ष व्यापार प्रथाओं को बढ़ावा देने में विश्व व्यापार संगठन की भूमिका का अध्ययन करें
- उपनिवेशीकरण और स्वतंत्रता की दिशा में किए गए प्रयासों पर चर्चा करें।

आठ्वा दिन: ब्रेटन वुड्स का अंत और वैश्वीकरण की शुरुआत:

विद्यार्थी लिंक में दी गई सामग्री को पढ़ेंगे

https://www.imf.org/external/about/histend.htm#:~:text=End%20of%20Bretton%20Woods%20system,-The%20system%20dissolved&text=In%20August%201971%2C%20U.S.%20President,the%20breakdown%20of%20the%20system.

- एक वित्तीय विशेषज्ञ/ अर्थशास्त्री/ व्याख्याता/ प्रोफेसर के साथ एक साक्षात्कार आयोजित करें। एकत्र की गई जानकारी के आधार पर, विद्यार्थी निष्कर्षों पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत कर सकते हैं।
- ब्रेटन वुड्स प्रणाली के अंत के कारणों पर चर्चा करें।

नौवा दिन: भारत में वैश्वीकरण का प्रभाव और जलमार्ग और वायुमार्ग की भूमिका

https://www.jagranjosh.com/general-knowledge/new-economic-policy-of-1991-objectives-features-and-impacts-1448348633-1

- विद्यार्थी उपरोक्त लिंक में दी गई सामग्री को पढ़ेंगे, और एक रिपोर्ट तैयार करेंगे कि अगर यह स्टैंड नहीं लिया गया होता तो भारत का क्या होता और इसे रेडियो टॉक शो के रूप में प्रस्तुत कर सकते है। वे वैश्वीकरण में भारत की उपलब्धि में जलमार्ग और वायुमार्ग की भूमिका को जोड़ेंगे।
- भारतीय अर्थव्यवस्था पर वैश्वीकरण के प्रभाव का अध्ययन करें।
- वैश्वीकरण की प्रक्रिया में भारत के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा करें।

दिन 10. अंतिम प्रस्तुति

- अंतर्विषयी परियोजना को पूरा करें और मुख्य बातों को सारांशित करें।

दसवीं कक्षा की अंतर्विषयी परियोजना के

दिन 4 के लिए हैंडआउट-1

हैंडआउट शीर्षक: द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विश्व और भारत में जलमार्ग और वायुमार्ग की भूमिका

परिचय: द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद विश्व को महत्वपूर्ण आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तनों का सामना करना पड़ा। युद्ध के बाद के विश्व और भारत को आकार देने में जलमार्ग और वायुमार्ग की भूमिका को समझना महत्वपूर्ण है। इस हैंडआउट में हम वैश्विक अर्थव्यवस्था पर जलमार्गों और वायुमार्गों के प्रभाव और इसने भारत के विकास में किस प्रकार मदद की, इस पर चर्चा करेंगे।

जलमार्ग: द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के युग में, जलमार्गों ने माल और लोगों की आवाजाही में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बंदरगाहों और जलमार्गों के सुधार ने माल के अधिक कुशलतापूर्वक परिवहन की अनुमति दी और आर्थिक विकास को गति देने में मदद की।

नौवहन प्रौद्योगिकियों के विकास के साथ-साथ वस्तुओं और सेवाओं की बढ़ती मांग ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को विस्तार दिया। इसने विश्व अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में मदद की और भारत सहित कई देशों में उद्योगों के विकास की अनुमति दी।

भारत में, जलमार्गों और बंदरगाहों के विकास ने देश की अर्थव्यवस्था को सुधारने में मदद की। देश की लंबी तटरेखा और कई नदियों ने इसे माल के परिवहन के लिए एक आदर्श स्थान बना दिया। भारत में बंदरगाहों और जलमार्गों के विकास ने देश के एक हिस्से से दूसरे हिस्से में माल की आवाजाही की अनुमति दी, जिससे आर्थिक विकास और विकास को बढ़ावा मिला।

वायुमार्ग: द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, हवाई परिवहन के विकास ने विश्व की अर्थव्यवस्था में क्रांति ला दी। हवाई यात्रा के विस्तार ने माल और लोगों के तेज और अधिक कुशल परिवहन की अनुमति दी, जिसने विश्व अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में मदद की।

भारत में, वायुमार्ग के विकास ने देश के विभिन्न भागों को जोड़ने में मदद की और लोगों और सामानों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने में आसानी हुई। इससे भारत में आर्थिक विकास और विकास को गति देने में मदद मिली।

भारत में हवाई परिवहन की वृद्धि ने भी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के विस्तार की अनुमति दी। भारतीय व्यवसाय अब आसानी से विदेशी बाजारों तक पहुंच सकते थे, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में मदद मिली।

निष्कर्ष:

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की विश्व और भारत में जलमार्ग और वायुमार्ग की भूमिका इन देशों के आर्थिक और सामाजिक परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण थी। इन परिवहन साधनों के विकास ने आर्थिक विकास को गति देने में मदद की और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के विस्तार की अनुमति दी। विश्व और भारत पर जलमार्गों और वायुमार्गों के प्रभाव को समझना द्वितीय विश्व युद्ध के बाद हुए आर्थिक और सामाजिक परिवर्तनों को समझने में महत्वपूर्ण है।

प्रश्न:

1. आयात और निर्यात में प्रमुख बंदरगाहों की भूमिका का उल्लेख कीजिए।

2. दक्कन एयरवेज के उद्भव ने घरेलू वायुमार्गों की संपूर्ण कार्यक्षमता को बदल दिया। कथन की पुष्टि कीजिए।

3. जलमार्ग और वायुमार्ग भारत के आर्थिक विकास में योगदान करते हैं। अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए।

दसवीं कक्षा की अंतर्विषयी परियोजना के

दिन 7 के लिए हैंडआउट 2

हैंडआउट शीर्षक: उपनिवेशवाद के बाद नए राष्ट्रों के निर्माण में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की भूमिका

परिचय: उपनिवेशवाद की समाप्ति के बाद, कई देशों को महत्वपूर्ण आर्थिक और राजनीतिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा क्योंकि उन्होंने खुद को स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में स्थापित करने के लिए काम किया। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने इन देशों को अपनी अर्थव्यवस्थाओं के पुनर्निर्माण और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भाग लेने में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस हैंडआउट में, हम उपनिवेशीकरण के बाद नए राष्ट्रों के निर्माण में विश्व व्यापार संगठन की भूमिका पर चर्चा करेंगे।

विश्व व्यापार संगठन क्या है?

विश्व व्यापार संगठन एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जिसे 1995 में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने और देशों को वैश्विक अर्थव्यवस्था में भाग लेने में मदद करने के लिए स्थापित किया गया था।

विश्व व्यापार संगठन देशों को बातचीत करने और अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौतों को लागू करने के लिए एक मंच प्रदान करता है, और यह सुनिश्चित करने में मदद करता है कि व्यापार निष्पक्ष और अनुमानित तरीके से आयोजित किया जाता है। संगठन देशों को उनकी व्यापार नीतियों में सुधार करने और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भाग लेने में मदद करने के लिए तकनीकी सहायता और सलाह भी प्रदान करता है।

विश्व व्यापार संगठन ने उपनिवेशीकरण के बाद नए राष्ट्रों की मदद कैसे की है?

औपनिवेशिक शासन समाप्त होने के बाद कई देशों को महत्वपूर्ण आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा क्योंकि उन्होंने खुद को स्वतंत्र राष्ट्रों के रूप में स्थापित करने के लिए काम किया। विश्व व्यापार संगठन ने इन देशों को व्यापार वार्ताओं के लिए एक मंच प्रदान करके और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समझौतों को लागू करने में मदद करके वैश्विक अर्थव्यवस्था में भाग लेने में मदद की।

विश्व व्यापार संगठन ने इन देशों को अपनी व्यापार नीतियों में सुधार करने और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भाग लेने में मदद करने के लिए तकनीकी सहायता और सलाह भी प्रदान की। इससे इन देशों में आर्थिक वृद्धि और विकास को गति देने में मदद मिली, और उन्हें वैश्विक अर्थव्यवस्था में और अधिक एकीकृत होने की अनुमति मिली।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में भाग लेकर, उपनिवेशवाद के बाद के नए राष्ट्र अपने बाजारों का विस्तार करने, विदेशी निवेश को आकर्षित करने और अपने आर्थिक प्रदर्शन में सुधार करने में सक्षम थे। विश्व व्यापार संगठन ने इन देशों को अपनी अर्थव्यवस्थाओं का निर्माण करने और खुद को स्थिर, स्वतंत्र राष्ट्रों के रूप में स्थापित करने में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

निष्कर्ष:

विश्व व्यापार संगठन ने इन देशों को वैश्विक अर्थव्यवस्था में भाग लेने में मदद करके उपनिवेशवाद के बाद नए राष्ट्रों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संगठन की व्यापार वार्ता, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समझौतों के प्रवर्तन और तकनीकी सहायता ने इन देशों में आर्थिक विकास और विकास को गति देने में मदद की। उपनिवेशवाद के बाद नए राष्ट्रों के निर्माण में विश्व व्यापार संगठन की भूमिका को समझना औपनिवेशिक शासन की समाप्ति के बाद हुए आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तनों को समझने में महत्वपूर्ण है।

अनुलग्रक- IV

विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुति प्रारूप - कक्षा X

विद्यार्थी का नाम:	
समूह का नाम:	
कक्षा एवं अनुभाग:	जमा करने की तिथि:
आईडीपी का विषय:	
परियोजना का शीर्षक:	
उद्देश्य:	
मूल्यांकन के विभिन्न प्रकार: सर्वेक्षण/साक्षात्कार/अनुसंधान कार्य/अवलोकन/कहानी आधारित प्रस्तुति/कला एकीकरण/प्रश्नोत्तरी/वाद-विवाद/रोल प्ले/वाइवा,/समूह चर्चा,/दृश्य अभिव्यक्ति/इंटरैक्टिव बुलेटिन बोर्ड/गैलरी वॉक/एग्जिट कार्ड/अवधारणा मानचित्र/पिएर मूल्यांकन/कला एकीकरण/स्व-मूल्यांकन/प्रौद्योगिकी का एकीकरण आदि।	
साक्ष्य: तस्वीरें, साक्षात्कार के अंश, अवलोकन, वीडियो, अनुसंधान संदर्भ आदि।	
समग्र प्रस्तुतिः पीपीटी का लिंक, साझा दस्तावेज, स्कूल की सुविधा के अनुसार डिजिटल/ हस्तलिखित हो सकते हैं।	
आभार	
संदर्भ (वेबसाइट, किताबें, समाचार पत्र आदि)	
प्रतिदर्शन/रिफ्लेक्स:	

अनुलग्रक V

रुब्रिक/ आयाम	**निर्धारित अंक**
अनुसंधान कार्य	1
सहयोग और संचार	1
प्रस्तुति और सामग्री प्रासंगिकता	1
दक्षता ● रचनात्मकता ● विश्लेषणात्मक कौशल ● मूल्यांकन ● संश्लेषण करना	2
कुल अंक	5